६०२/१४५

बोचासणवासी श्री अक्षरपुरुषोत्तम स्वामिनारायण संस्था

सत्संग शिक्षण परीक्षा (पूर्व कसौटी - १२ जून, २०११)

(समय : दोपहर २:०० से ५:००)

सत्संग प्रवीण - २

सूचना : प्रश्न के बाद में दिए गए अंक उसी प्रश्न के उत्तर के पृष्ठ क्रम बताते हैं । **कुल गुण : १००**

विभाग-१ : किशोर सत्संग प्रवीण - प्रथम संस्करण, अप्रैल - २००३

प्र.१ निम्नलिखित कथन कौन, किसको और कब कहता है, यह लिखिए । [९]

१. ''इस गाँव में मेरे सिवा और कोई सत्संगी नहीं है ।'' (७७)
२. ''जाओ और अच्छी तरह सोचकर आना ।'' (९३)
३. ''आप थक जाएँगी, हाथों पर छाले पड़ जाएँगे ।'' (३१)

प्र.२ निम्नलिखित वाक्यों में से किन्हीं तीन के बारे में कारण लिखिए । (बारह पंक्ति में) [९]

१. बंगाल के महंतजी ने पाँच सौ स्वर्ण मुद्रा शिष्यों को दे दी । (६६)
२. प्रत्येक वचनामृत का आरंभ भगवान स्वामिनारायण की स्मृति से होता है । (३४)
३. वजुभाई ने दीक्षा ले ली । (१३,१४)
४. शांतिबा ने महाराज को अपने गाँव आने का निमंत्रण देने के लिए सुरा खाचर को भेजा । (७९)

प्र.३ निम्नलिखित विषय पर प्रमाणसर टिप्पणी लिखिए । (बारह पंक्तियों में) [८]

१. आज्ञा (७०) **अथवा** २. भक्तचिंतामणि और श्रीहरिलीलामृत (४०, ४१)
३. जीवा खाचर (२१) **अथवा** ४. राजाभाई (६२)

प्र.४ निम्नलिखित प्रश्नों के एक (संपूर्ण) वाक्य में उत्तर लिखिए । [६]

१. ध्यान का मूल क्या है ? (४४)
२. मगनभाई के सारे संकल्प क्यों शांत हो गये ? (१०२)
३. श्रीजीमहाराज का आकार और स्वरूप कैसा है ? (७३)
४. उका खाचर और उनके परिवार के सदस्य प्रातः जलदी से उठकर क्या करते थे ? (११)
५. आत्यंतिक कल्याण किसे कहते हैं ? (९८)
६. संत अपने सम्बन्ध मात्र से क्या करते हैं और क्यों ? (२५)

प्र.५ 'कभी अपने आपको दुःखी.....' (८४) - **'स्वामी की बात' पूर्ण कीजिए और इसके बारे में निरूपण कीजिए ।** [५]

प्र.६ निम्नलिखित वाक्यों में से विषय के अनुरूप केवल पाँच सही वाक्य ढूँढ़कर सिर्फ़ उसके नंबर लिखें । [५]

विषय : भक्तराज मगनभाई (१०१)

१. मगनभाई का जन्म करमसद गाँव में हुआ था । **२.** कीब्वेजी गाँव में स्टेशन मास्तर थे, तब मगनभाई को हरमानभाई के संपर्क से सत्संग हुआ । **३.** शास्त्रीजी महाराज ने कहा : 'प्रयत्न करो सत्संग होगा ।' **४.** शराब का पानी की तरह प्रयोग होता था ऐसे कीसुमु गाँव में उनका तबादला हुआ । **५.** शास्त्रीजी महाराज कहते : मैं हरमानभाई के द्वारा अफ्रिका में कार्य कर रहा हूँ । **६.** मगनभाई के शुभ हस्तों से पूर्व अफ्रिका सत्संग मंडल की स्थापना कीजाबे में हुई । **७.** टरोरो से क्रमशः सारे युगान्डा में सत्संग विस्तीर्ण हुआ । **८.** हरमानभाई से स्वामी की बातें का पाठ सुनकर उनकी जिज्ञासा बढ़ती गई । **९.** मगनभाई टरोरो में अक्षरनिवासी हुए । **१०.** मगनभाई जन्म से ही निर्व्यसनी और सदाचारी थे ।

केवल नंबर :- ☐ ☐ ☐ ☐ ☐

प्र.७ निम्नलिखित पंक्ति को पूर्ण कीजिए । [८]

१. काम, क्रोध ने लोभ ..... लेज्यो हरि तेह । (८१,८२)
२. पचरंगी पुष्पनां ..... कष्ट हरता । (१७)
३. वहाला तारी नासिका ..... मीठुं गावता रे लोल । (६८)
४. रटत दशशतवदन ..... कैवल्यधामी । (१०)

प्र.८ निम्नलिखित कीर्तन / अष्टक / श्लोक आदि को सूचनानुसार पूर्ण कीजिए । [६]

१. ॐ श्रीकालदोषनिवारकाय नमः ..... ॐ श्रीकलितारकाय नमः । (५१)
२. शिक्षार्थमत्र ..... शरणं प्रपद्ये ॥ (२६)
३. निजात्मानं ..... कृष्णस्य सर्वदा ॥ (९९) - **श्लोक का हिन्दी भाषांतर कीजिए ।**

विभाग-२ : गुणातीतानंद स्वामी -प्रथम संस्करण, नवम्बर - २००२

प्र.९ निम्नलिखित कथन कौन, किसको और कब कहता है, यह लिखिए । [९]

१. ''हमारे गुरुजी वृद्ध संत है, उनको सर्दी अधिक लग गई है, तो क्या आप हमको थोड़ी लकडियाँ देंगे ?'' (६८)
२. ''बाकी के उनतीस लक्षण आप जूनागढ़ आईए तो मैं पूर्ण कर दूँगा !'' (८१)
३. ''मैंने तो केवल महाराज को प्रसन्न करने के लिए आपकी सेवा की है ।'' (३५)

(पृष्ठ पलटिये)

सत्संग शिक्षण परीक्षा कार्यालय - अहमदाबाद द्वारा किये गये पूर्व कसौटी के आयोजन में मैंने स्वयं कक्ष में (बैठक कक्ष में) उपस्थित रहकर ''**सत्संग प्रवीण-२**'' परीक्षा दी है। निम्नलिखित बातें सही हैं, जो आपको विदित हो ।

दिनांक महीना साल

परीक्षार्थी का जन्म दिन :- ☐☐ ☐☐ ☐☐☐☐

परीक्षा दिनांक और परीक्षा का समय :

परीक्षार्थी के हस्ताक्षर :

सूचना : सिर्फ़ उपस्थित परीक्षार्थी भूले बिना इस उपस्थिति स्लीप को काटकर, सभी विगत भरकर केन्द्र व्यवस्थापक को वापस कर दें । सिर्फ़ कक्ष में (बैठक कक्ष में) उपस्थित परीक्षार्थी की उपस्थिति स्लीप इकट्ठा करके सत्संग शिक्षण परीक्षा कार्यालय - अहमदाबाद को जमा करा दे । (अपूर्ण विवरणवाली उपस्थिति स्लीपें मान्य नहि होंगी ।)

प्र.१० निम्नलिखित वाक्यों में से किन्हीं तीन के बारे में कारण लिखिए । (नौ पंक्ति में) **[९]**

१. आचार्य महाराज ने सौगंध देने पर भी स्वामी ने काष्ठ के पात्र में भोजन लिया । (८४, ८५)

२. महाराजने सोरठ प्रांत के सत्संगियों को अक्षरधाम कृष्णार्पण किया । (४६)

३. महाराज ने मूलजी को घर जलाकर आने का आदेश दिया । (१५-१६)

४. आखा गाँव के मूलजी श्रोत्रिय को पश्चात्ताप हुआ । (६५, ६६)

प्र.११ निम्नलिखित में से किन्हीं दो विषय पर प्रमाणसर टिप्पणी लिखिए । (बारह पंक्तियों में) **[८]**

१. सत्संग में अक्षरब्रह्म स्वरूप का प्रवर्तन (५४)

२. श्रीहरि के साथ प्रथम मिलाप (७)

३. दर्शन की उत्कट इच्छा (२१)

प्र.१२ निम्नलिखित प्रश्नों के एक (संपूर्ण) वाक्य में उत्तर लिखिए । **[६]**

१. नागर भाविक को कौन सा नियम था ? (६९)

२. करुणानंद ब्रह्मचारी ने प्रात:सभा में क्या कहा ? (८२)

३. 'सभा में स्वामी ही बातें करेंगे' ऐसा आदेश आचार्य महाराज ने क्यों दिया ? (६०)

४. अनादि ब्रह्म के संग से क्या होता है ? (५२)

५. शुकजी ने क्यों वृक्ष में प्रवेश करके जवाब दिया ? (३६)

६. महाराज ने वरताल में स्वामी को उन्नीस बार गले क्यों लगाया ? (२९)

प्र.१३ निम्नलिखित किन्हीं एक प्रसंग को संक्षिप्त में बयानकर भावार्थ लिखिए । (बारह पंक्तियों में) **[४]**

१. वृत्ति का निरोध (२२) २. आज्ञा धारक (२४) ३. स्वामी के सत्संगी (५०)

प्र.१४ निम्नलिखित विकल्पों में से केवल सही विकल्प के आगे दिए गए खाने में सही (✓) का निशान करें । **[८]**

सूचना : एक या एक से अधिक विकल्प सही हो सकते हैं । सभी सही विकल्प के आगे ही सही का निशान किया होगा तभी पूर्ण गुण दिए जायेंगे, अन्यथा एक भी गुण नहि दिया जाएगा ।

१. गुणातीतानन्द स्वामी संतों को किस हरिभक्तों का समागम करने को कहते ? (७०)

(१) ☐ कमीगढ़ गाँव के रयो देसाई (२) ☐ हामापर गाँव के करसन बांभणिया

(३) ☐ चाडिया गाँव के राम भंडेरी (४) ☐ वंथली गाँव के कल्याणभाई

२. गुणातीतानन्द स्वामी ने किस किस को जूनागढ़ समागम करने के लिए बुलाया था ? (६२, ६३, ८१)

(१) ☐ रघुवीरजी महाराज (२) ☐ वासुदेवचरण स्वामी

(३) ☐ वाघाखाचर (४) ☐ कारियाणी के नथू पटेल

३. महाराज ने गुणातीतानन्द स्वामी की पहचान कौन से स्थानों में की ? (१३, २१)

(१) ☐ भादरा (२) ☐ अहमदाबाद

(३) ☐ सारंगपुर (४) ☐ जेतलपुर

४. गुणातीतानन्द स्वामी के जीवन की महत्त्व की तिथि (२, १७)

(१) ☐ जन्मतिथि - आश्विन शुक्ल पक्ष पूर्णिमा (२) ☐ जन्मतिथि - कार्तिक शुक्लपक्ष पूर्णिमा

(३) ☐ दीक्षातिथि - फाल्गुण शुक्लपक्ष पूर्णिमा (४) ☐ दीक्षातिथि - पौष शुक्लपक्ष पूर्णिमा

❋ ❋ ❋

सूचना : इस प्रश्नपत्र में से कम या ज्यादा मात्रा में प्रश्न दिनांक १० जुलाई, २०११ के दिन होनेवाली मुख्य परीक्षा में पूछे जाएँगे । अभ्यास क्रम में सामिल पुस्तक की अंतिम संस्करण का ही उपयोग करें । मुख्य परीक्षा में उत्तरवही के ईलावा अतिरिक्त पनों में लिखे हुए उत्तर मान्य नहि होंगे ।